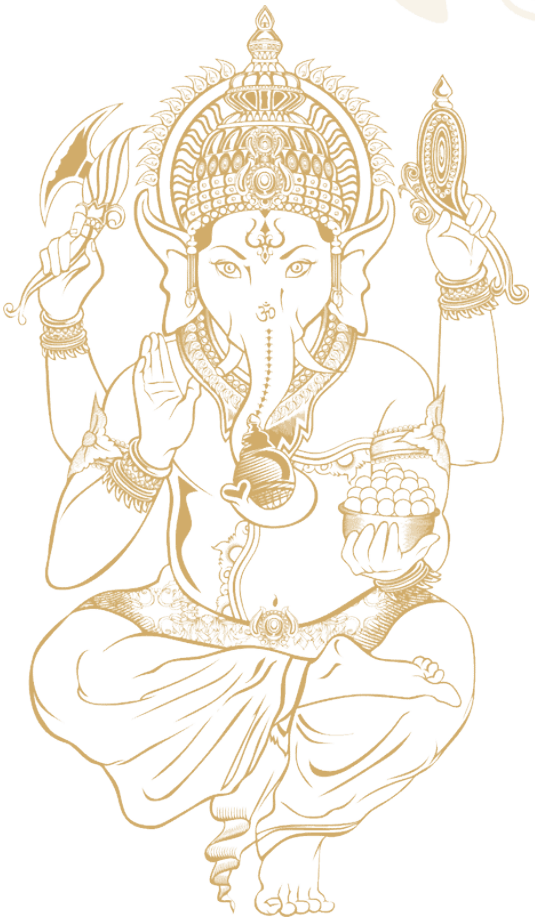

T

P

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121627111

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
7-08/12/1996	जन्म तिथि	22/02/1995
शनि-रविवार	दिन	बुधवार
घंटे 07:00:00	जन्म समय	07:00:00 घंटे
घटी 59:56:49	जन्म समय(घटी)	00:14:44 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:01:16	सूर्योदय	06:54:06
17:24:19	सूर्यास्त	18:15:41
23:48:52	चित्रपक्षीय अयनांश	23:47:33

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
राहु 2वर्ष 4मा 23दि	21:08:19	वृश्चि	लग्न	कुंभ	09:53:35	गुरु 0वर्ष 6मा 26दि
शनि	22:25:28	वृश्चि	सूर्य	कुंभ	09:09:37	बुध
02/05/2015	18:13:27	तुला	चंद्र	वृश्चि	02:51:21	19/09/2014
02/05/2034	25:55:17	सिंह	मंगल व	कर्क	25:15:56	19/09/2031
शनि 05/05/2018	11:06:26	धनु	बुध	मक	13:36:38	बुध 15/02/2017
बुध 12/01/2021	26:00:09	धनु	गुरु	वृश्चि	19:22:26	केतु 12/02/2018
केतु 21/02/2022	24:45:56	तुला	शुक्र	धनु	25:51:53	शुक्र 13/12/2020
शुक्र 23/04/2025	06:48:48	मीन	शनि	कुंभ	19:44:59	सूर्य 19/10/2021
सूर्य 05/04/2026	11:37:35	कन्या व	राहु	तुला	14:02:26	चन्द्र 21/03/2023
चन्द्र 04/11/2027	11:37:35	मीन व	केतु	मेष	14:02:26	मंगल 17/03/2024
मंगल 13/12/2028	08:14:32	मक	हर्ष	मक	04:39:07	राहु 04/10/2026
राहु 20/10/2031	02:11:45	मक	नेप	मक	00:39:40	गुरु 09/01/2029
गुरु 02/05/2034	09:41:41	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	06:46:56	शनि 19/09/2031

लग्न-चलित

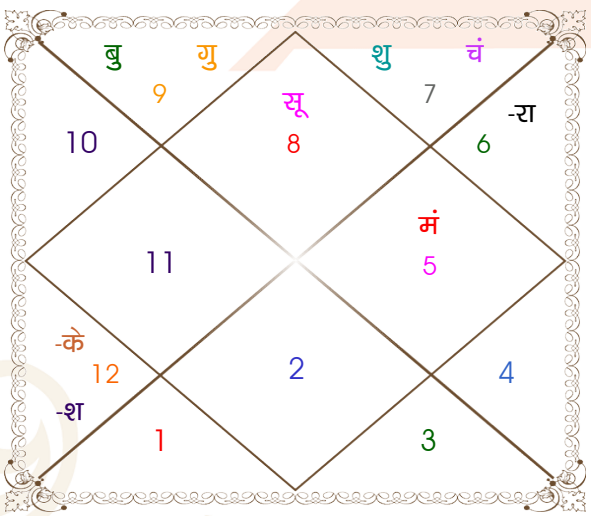

लग्न-चलित

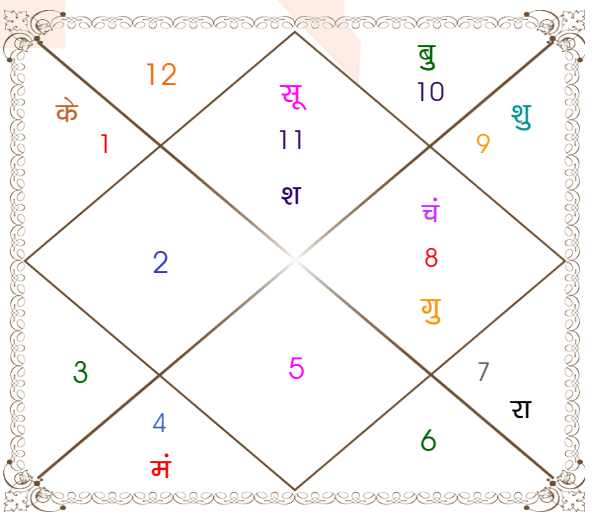

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	कीटक	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	महिष	व्याघ्र	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	मंगल	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	वृश्चिक	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	9.00		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

ज का वर्ग सर्प है तथा च का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ज और च का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

ज मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

च मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

ज तथा च में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।